हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय

श्रीनगर (गढ़वाल)

कला, संचार एवं भाषा संकाय

(संस्कृत–विभाग)

चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)

बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर से अष्टम सेमेस्टर पर्यन्त

W.E.F. 2022-2023

27.5.2022
Head Sanskrit Deptt.
H.N.B. Garhwal University
Srinagar, Garhwal

27.05.2022

27/05/2022

27/05/2022

चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र	क्रेडिट	पेज नं0
1. नीतिकाव्य व्याकरण एवं अनुवाद	06 Core	01
2. नीतिकाव्य	04 Additional Course-1	02
3. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	04 Multidisciplinary	03-04
4. आयुर्वेद के मूलतत्त्व	02 Skill Course	05
5. पर्यावरणीय सम्पर्क एवं संज्ञान	02 (वि0वि0 द्वारा निर्मित किया जायेगा)	

द्वितीय सेमेस्टर

1.नाटक अलंकार एवं छन्द	06 Core	06
2.नाटक	04 Additional Course-1	07
3.संस्कृत साहित्य में नैतिकता	04 Multidisciplinary	08
4.भारतीय वास्तुकला प्रणाली	02 Skill Course	09
5.जीवन कौशल एवं व्यक्तित्व का विकास	02 (वि0वि0 द्वारा निर्मित किया जायेगा)	

द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर

1 गद्य,.पद्य एवं व्याकरण	06 Core	10
2. गद्य एवं पद्य	04 Additional Course-1	11
3.संस्कृत साहित्य में राजनीतिक विचार	04 Multidisciplinary	12
4.भारतीय रंगमंच	02 Skill Course	13
5.भारतीय ज्ञानप्रणाली–1 (IKS)	**02**(वि0वि0 द्वारा निर्मित किया जायेगा)	

चतुर्थ सेमेस्टर

1.संस्कृत साहित्य का इतिहास, संस्कृति एवं निबन्ध	06 Core	14
2.संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं संस्कृति	04 Additional Course-1	15
3.संस्कृत भाषाविज्ञान के मूलतत्त्व	04 Multidisciplinary	16
4.पातंजल योगसूत्र	02 Skill Course	17
5.भारतीय ज्ञानप्रणाली–2(IKS)	**02** (वि0वि0 द्वारा निर्मित किया जायेगा)	

तृतीय वर्ष

पंचम् सेमेस्टर

1.वेद एवम् उपनिषद्	06 वैकल्पिक प्रश्नपत्र (DSE)	18
अथवा		
समास एवं छन्दशास्त्र		19
2. स्थानीय तीर्थस्थलों का भ्रमण	04 क्षेत्रभ्रमण	
3. संस्कृति परम्परा एवं नैतिक मूल्य	02 पाठ्येतर अनिवार्य पाठ्यक्रम (वि0वि0 द्वारा निर्मित किया जायेगा)	
4. भाषा अध्ययन–1 (हिन्दी,संस्कृत, अंग्रेजी अन्य)	02 भाषा	20

षष्ठ सेमेस्टर

1.काव्य,दर्शन एवं व्याकरण	06 वैकल्पिक प्रश्नपत्र (DSE)	21
अथवा		
संस्कृत पत्रकारिता		22
2.स्थानीय तीर्थस्थलों का भ्रमण	04 क्षेत्रभ्रमण	
3.संस्कृत सम्भाषण	02 संचार कौशल पाठ्यक्रम	23-24
4. भाषा अध्ययन–02(हिन्दी,संस्कृत, अंग्रेजी अन्य)	02 भाषा	25

चतुर्थ वर्ष सशोध (With Research)

सप्तम् सेमेस्टर

1. उपनिषद् और वैदिक वाङ्मय का इतिहास	04 Core	26
2. भारतीय दर्शन	04 Core	27
3.अनुसन्धान क्रियाविधि	06	28-29
4.संस्कृत परम्परा में धर्म, दर्शन और संस्कृति	04 वैकल्पिक प्रश्नपत्र (DSE)	30
अथवा		
संगणकीय संस्कृत		31
5.शोध लेखन और शोध नैतिकता	02 (वि0वि0 द्वारा निर्मित किया जायेगा)	

अष्टम सेमेस्टर

1. वैदिकसूक्त और निरूक्त	04 Core	32
2. संस्कृत महाकाव्य	04 Core	33
3.विषय आधारित लघुशोध (डिजर्टेशन)	06	
4.पुराणेतिहास	04 (DSE)	34
अथवा		
गीता में आत्मप्रबन्धन		35
5. शोधपत्र प्रस्तुतीकरण के सोपान	02 (वि0वि0 द्वारा निर्मित किया जायेगा)	

चतुर्थ वर्ष (ससम्मान (With Honours))

सप्तम सेमेस्टर

1. उपनिषद् और वैदिक वाङ्मय का इतिहास	04 Core	36
2. भारतीय दर्शन	04 Core	37
3.भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता	03 लघुवैकल्पिक (संस्कृतेतर छात्रों के लिए)	38
अथवा		
भारतीय इतिहासदृष्टि एवं कालविज्ञान		39
4.साहित्यसम्प्रदाय विमर्श	03 लघु Core(संस्कृतेतर छात्रों के लिए)	40
5.संस्कृत परम्परा में धर्म, दर्शन और संस्कृति	04 वैकल्पिक प्रश्नपत्र (DSE)	41
अथवा		
संगणकीय संस्कृत		42
6.शोध लेखन और शोध नैतिकता	02 (वि0वि0 द्वारा निर्मित किया जायेगा)	

अष्टम् सेमेस्टर

1. वैदिकसूक्त और निरूक्त	04 Core	43
2. संस्कृत महाकाव्य	04 Core	44
3. पुराणेतिहास	04 (DSE)	45
अथवा		
गीता में आत्मप्रबन्धन		46
4. भारतीय दर्शनपरम्परा	03 लघु Core (संस्कृतेतर छात्रों के लिए)	47
5. संस्कृतसाहित्य सर्वेक्षण	03 लघु वैकल्पिक	48
अथवा		
भारतीय अभिलेख		49
6.संस्कृत में अनुसन्धानविधि के मूलतत्त्व	02	50-51

प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर

नीतिकाव्य व्याकरण एवं अनुवाद (Core 06 Credit)

(क) नीतिकाव्य

(i) नीतिशतकम् – भर्तृहरि

(ii)हितोपदेश (मित्रलाभ) – नारायणपंडित

(ख) व्याकरण

संज्ञा तथा संधि प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

(ग) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, आगरा–2, महालक्ष्मी प्रकाशन
2. भर्तृहरि,नीतिशतकम्, अनुवादक और संस्कर्ता जनार्दन शास्त्रीपाण्डेय, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 2014
3. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम, मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, अमरभारती प्रकाशन वाराणसी
4. नारायणपण्डित, हितोपदेश, सम्पादक जीवानन्द विद्यासागर, कालिकाता
5. हितोपदेश (मित्रलाभ) – रश्मिकला संस्कृत हिन्दी व्याकरण सहित
6. वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी : भाग–1, व्याख्याकार भीमसेनशास्त्री, दिल्ली भैमी प्रकाशन
7. वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी, प्राज्ञतोषिणी व्याख्याकार और सम्पादक श्रीधरानन्द शास्त्री घिल्डियाल

नीतिकाव्य (Additional Course 04 Credit)

(i) नीतिशतकम् – भर्तृहरि

(ii)हितोपदेश (मित्रलाभ) –नारायणपंडित

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, आगरा–2, महालक्ष्मी प्रकाशन
2. भर्तृहरि,नीतिशतकम्, अनुवादक और संस्कर्ता जनार्दन शास्त्रीपाण्डेय, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 2014
3. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम, मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, अमरभारती प्रकाशन वाराणसी
4. नारायणपण्डित, हितोपदेश, सम्पादक जीवानन्द विद्यासागर, कालिकाता
5. हितोपदेश (मित्रलाभ) – रश्मिकला संस्कृत हिन्दी व्याकरण सहित

संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना (Multidisplinary Course 04 Credit)

(क)

1. वैदिक–साहित्य में राष्ट्र की अवधारणा
2. राष्ट्र का संस्कृतपरक अर्थ
3. सप्ताङ्ग सिद्धान्त (कौटिल्य अर्थशात्र अध्याय 6)
4. महाभारत शान्तिपर्व 56.5
5. शुक्रनीति 1/61–62
6. पुराणों में भारतवर्ष की अवधारणा विष्णु पु0 2.3

(ख)

1. राष्ट्रीयता के कारक तत्त्व
1. राष्ट्रीय प्रतीक (राष्ट्रगान,राष्ट्रगीत,राष्ट्रध्वज, राष्ट्रीय चिन्ह)
2. भरत और भरतजन (ऋग्वेद 3.53.123,3.53.24,7.33.6)
3. भूमि सूक्त (अथर्व.12.1.1–12)
4. शुक्ल यजु0 मैं राष्ट्रीयता के तत्त्व (22.22),
5. राष्ट्रबोधन का महत्त्व ,शतपथ ब्राह्मण (9.4.1.1–5)

(ग)

1. वाल्मीकि रामायण में राष्ट्र की भौगोलिक एकता (किष्किन्धा काण्ड अध्याय 46–48)
2. रघुवंश में सांस्कृतिक एकता (सर्ग–4)
3. महाभारत में जनांकिकीय एकीकरण (शान्ति पर्व 65/13–22)

सामान्य अध्ययन

(घ)

1. भारतविजयम् नाटक, दीक्षित, प्रसाद मथुरा।
2. सत्याग्रहगीता (पण्डिता क्षमाराव)
3. गाँधीचरितम् चारूदेव शास्त्री
4. शिवराजविजय अम्बिकादत्त व्यास

5. डॉ0 सत्यव्रत शास्त्री, डॉ0 हरिनारायण दीक्षित, डॉ0 राधावल्लभ त्रिपाठी, डॉ0 अभिराजराजेन्द्र मिश्र, डॉ0 हरिदत्त शर्मा।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. कौटिल्यअर्थशास्त्रम् हिन्दी अनुवादक उदयवीर शास्त्री, दिल्ली मेहरचन्द लक्षमनदास, 1968
2. महाभारत (1–6 भाग) हिन्दी अनुवादक रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय,गोरखपुर गीताप्रेस
3. शतपथब्राह्मण (1–5 भाग) माध्यन्दिन शाखीय भाष्यकार सायण और हरिस्वामी, दिल्ली
4. शुक्रनीति हिन्दी अनुवाद और सम्पादक ब्रह्माशंकर मिश्र, वाराणसी चौखम्बा संस्कृत सिरीज, 1968
5. श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (1–2 भाग) हिन्दी अनुवाद सहित, सम्पादक जानकी नाथ शर्मा, गोरखपुर
6. पुराण विमर्श आचार्य बलदेव उपाध्याय
7. यजुर्वेद, हिन्दी अनुवाद सहित, अनुवादक सातवलेकर श्रीपाद दामोदर पारड़ी,
8. विष्णुपुराणम्, हिन्दी अनुवाद सहित अनुवाद मुनिलाल गुप्त, गोरखपुर गीताप्रेस,
9. तिवारी, शशि, संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता एवं भारतीय साहित्य, दिल्ली विद्यानिधि प्रकाशन 2007
10. तिवारी, शशि, संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र दिल्ली विद्यानिधि प्रकाशन, 2013
11. राष्ट्रीय एकता और भारतीय साहित्य योगेन्द्र गोस्वामी, काशी अधिवेशन स्मृतिग्रन्थ, 2001
12. दीक्षित, हरिनारायण, संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना, दिल्ली ईस्टर्न बुक लिंकर्स, 2006
13. पुष्पेन्द्र कुमार,पुराणों में राष्ट्रीय एकता, दिल्ली, नाग पब्लिशर्स
14. संस्कृत वाङ्मय में राष्ट्रीय चेतना, डॉ0 विजय कुमार कर्ण, हिन्दुस्तान एकेडमी, प्रयागराज।

आयुर्वेद सामान्य परिचय (Skill Course 2 Credit)

इकाई 1

- आयुर्वेद का परिचय
- चरकपूर्व भारतीय शिक्षा का इतिहास
- आयुर्वेद के प्रमुख दो सम्प्रदाय धन्वन्तरि एवं पुनर्वसु

इकाई 2

- आयुर्वेद के मुख्य आचार्य – चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट, माधव, सारंगधर, भावमिश्र।

इकाई 3

- चरक संहिता सूत्रस्थान
- षड्ऋतुचर्या (हेमन्त, शिशिर, वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद्)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. चरक संहिता, सम्पादक ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, 2005
2. विद्यालंकार, आदिदेव आयुर्वेद का इतिहास
3. शर्मा, प्रियव्रत, चरक–चिन्तन

द्वितीय सेमेस्टर

नाटक, अलंकार एवं छन्द (Core 06 Credit)

(क) नाटक–अभिज्ञानशाकुन्तलम् सम्पूर्ण (निर्णय सागर प्रकाशन)

(ख) नाटकीय पारिभाषिक शब्दावली–नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, विदूषक, नेपथ्य, स्वगत, जनान्तिक, आकाशभाषित, भरतवाक्य।

(ग) अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अपह्नुति, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति, निदर्शना, तुल्ययोगिता।

(घ) छन्द–अनुष्टुप, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, मालिनी, भुजङ्प्रयात (वृत्तरत्नाकर से)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तल, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, इलाहाबाद, साहित्य संस्थान, 37 कचेहरीमार्ग 1974
2. कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तल, सम्पादक नारायणराम आचार्य, मुम्बई, निर्णयसागर प्रेस, 1883.
3. उपाध्याय भगवतशरण, कालिदास कवि और काव्य काशी, ज्ञानपीठ।
4. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, कालिदास की लालित्य योजना, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
5. मम्मट, काव्यप्रकाश, हिन्दी अनुवाद सहित, व्याख्याकार और सम्पादक डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री, मेरठ, साहित्य भण्डार 1994
6. वृत्तरत्नाकर, पं0 केदारभट्ट, व्याख्या पं0 बलदेवउपाध्याय, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
7. दशरूपक, धनंजय विरचित, सावलोक चन्द्रकला हिन्दी व्याख्या सहित
8. Kalidasa The Abhijnanasakuntalam, Tran. & Ed.M.R.Kale. Delhi Motilal Banarasidass, 1977.
9. Bhatt, G.K. Sanskrit Drama, Dharwar University Press.

नाटक (Additional Course 04 Credit)

क) नाटक–अभिज्ञानशाकुन्तलम् सम्पूर्ण (निर्णय सागर प्रकाशन)

(ख) नाटकीय पारिभाषिक शब्दावली–नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, विदूषक, नेपथ्य, स्वगत, जनान्तिक, आकाशभाषित, भरतवाक्य

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थः–

1. कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तल, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, इलाहाबाद, साहित्य संस्थान, 37 कचेहरीमार्ग 1974
2. कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तल, सम्पादक नारायणराम आचार्य, मुम्बई, निर्णयसागर प्रेस, 1883.
3. उपाध्याय भगवतशरण, कालिदास कवि और काव्य काशी, ज्ञानपीठ।
4. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, कालिदास की लालित्य योजना, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
5. दशरूपक, धनंजय विरचित, सावलोक चन्द्रकला हिन्दी व्याख्या सहित

संस्कृत साहित्य में नैतिकता (Multidisciplinary Course 04 Credit)

(क) महाभारत

1. अर्द्धसत्य कथन (अश्वत्थामा हत:)
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के पंचम अंक में दुष्यन्त द्वारा शकुन्तला को ग्रहण न करने के पीछे के तर्क
3. युद्ध की आलोचना (महाभारत स्त्री पर्व अध्याय 13–15)
4. युद्ध; आदर्श और यथार्थ मनु0 अ07/87–93 199–200 कृष्ण की छल नीति
5. महाभारत में – प्रतिशोध भाव (अश्वत्थामा और दुर्योधन प्रसंग)

(ख) रामायण

1. एक राजा और पति के रूप में कर्तव्यों का संघर्ष (राजा रामचन्द्र के सन्दर्भ में)
2. आज्ञाकारिता और निष्ठा : दशरथ पर लक्ष्मण का क्रोध एव शान्ति के लिए राम का तर्क

(ग)

1. आत्मसम्मान (नीतिशतकम् 21–30)
2. स्वधर्म और स्थितप्रज्ञ (गीता 2 अध्याय)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :

1. श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दी अनुवाद सहित, गोरखपुर गीता प्रेस
2. शास्त्री, सुरेन्द्र देव, अभिज्ञानशाकुन्तलम् मेरठ साहित्य भण्डार
3. महाभारत (1–6 भाग) हिन्दी अनुवादक रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय,गोरखपुर गीताप्रेस
4. श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (1–2भाग) हिन्दी अनुवाद सहित, सम्पादक जानकी नाथ शर्मा ,गोरखपुर
5. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, आगरा–2, महालक्ष्मी प्रकाशन
6. भर्तृहरि, नीतिशतक, अनुवादक और संस्कर्ता जनार्दन शास्त्रीपाण्डेय, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 2014
7. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी

भारतीय वास्तुकला (Skill Course 02 Credit)

इकाई 1

- टोडरमल का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व

इकाई 2

- टोडरमल विरचित वास्तुसौख्यम् प्रथम भाग 1–13
- भूमि परीक्षण, दिक्साधन, निवास (द्वितीय भाग 14–22 हेतु स्थान चयन)

इकाई 3

- वास्तुसौख्यम् भाग '3' शुभाशुभ वृक्षनिरूपण (31–49) शल्यशोधन (74–82)
- वास्तुसौख्यम् भाग '4' (83–102) (107–112) षड्वर्गपरिशोधन, वास्तुचक्र, गृहवास्तु, शिलान्यास
- वास्तुसौख्यम् भाग '6' गृहनिरूपण (171–194)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. मलटोडर, वास्तुसौख्यम्, वाराणसी, सम्पूर्णानन्द विश्वविद्यालय 2010
2. चतुर्वेदी, वासुदेव, भारतीय वास्तुशास्त्र, नई दिल्ली श्री लाल ब॰ शा॰ रा॰स॰विद्यापीठ
3. शास्त्री, विनोद और शर्मा, सीताराम, वास्तुशिरोमणि दिल्ली मोतीलाल बनारसीदास
4. त्रिपाठी, देवी प्रसाद, वास्तुसार, दिल्ली इस्टर्न बुकलिर्क्स 2015
5. जीवानन्द, वास्तुरत्नावली

द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर
गद्य ,पद्य एवं व्याकरण (Core 06 Credit)

(क) गद्य–शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास)

(ख) पद्य – (I). कुमारसम्भवम् (पंचम सर्ग)

(II). किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)

(ग) व्याकरण–प्रत्यय (कृदन्त) तव्यत्, अनीयर, ण्वुल्, तृच्, क्त, क्तवतु, क्तिन्, तुमुन्, घञ्, ल्युट्, शतृ, शानच्।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थः–

1. शिवराजविजयम् अम्बिकादत्तव्यास : प्रथमविराम–व्यासपुस्तकालय
2. श्री अम्बिकादत्त कृत शिवराजविजयम् डॉ0 आर0 सी0 जैन(टीकाकार)
3. कुमारसम्भवमहाकाव्य कालिदास विरचित : सं0 अनु0 नेमिचन्द्र शास्त्री
4. कुमारसम्भवमहाकाव्य : जगदीशलाल शास्त्री
5. किरातार्जुनीयम् कवि भारवि विरचित : जनार्दन शास्त्री पाण्डेय
6. कालिदास और उनकी काव्यकला : वागीश्वर विद्यालङ्कार
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी कृदन्त प्रकरण : व्याख्याकारमहेश सिंह कुशवाहा
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी : व्याख्याकारश्री धरानन्द शास्त्री

गद्य एवं पद्य (Additional Course 04 Credit)

(क) गद्य–शिवराजविजयः (प्रथम निःश्वास)

(ख) पद्य – (I). कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग)

(II). किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थः–

1. शिवराजविजयम् अम्बिकादत्तव्यास : प्रथमविराम–व्यासपुस्तकालय
2. श्री अम्बिकादत्त कृत शिवराजविजयम् डॉ0 आर0 सी0 जैन(टीकाकार)
3. कुमारसम्भवमहाकाव्य कालिदास विरचित : सं0 अनु0 नेमिचन्द्र शास्त्री
4. कुमारसम्भवमहाकाव्य : जगदीशलाल शास्त्री
5. किरातार्जुनीयम् कवि भारवि विरचित : जनार्दन शास्त्री पाण्डेय
6. कालिदास और उनकी काव्यकला : वागीश्वर विद्यालङ्कार

संस्कृत साहित्य में राजनीतिक विचार (Multidisciplinary Course 04 Credit)
(कौटिल्य अर्थशास्त्र के सन्दर्भ में)

1. राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त
2. राजा
3. मन्त्रिपरिषद्
4. राजदूत
5. गुप्तचर
6. न्यायप्रणाली
7. दण्ड का सिद्धान्त
8. स्थानीय प्रशासन
9. परराष्ट्र नीति
10. सैन्य व्यवस्था
11. सामाजिक संगठन
12. आर्थिक नीति

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. कौटिल्य अर्थशास्त्रम् हिन्दी अनुवादक उदयवीर शास्त्री, दिल्ली मेहरचन्द लक्षमनदास, 1968
2. शतपथब्राह्मण (1–5 भाग) माध्यन्दिन शाखीय भाष्यकार सायण और हरिस्वामी, दिल्ली
3. शुक्रनीति हिन्दी अनुवाद और सम्पादक ब्रह्मशंकर मिश्र, वाराणसी चौखम्बा संस्कृत सिरीज, 1968
4. तिवारी, शशि, संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र दिल्ली विद्यानिधि प्रकाशन, 2013
5. मनुस्मृतिः (1–13 भाग) सम्पादिका उर्मिला रूस्तगी दिल्ली जे0पी0पब्लिशिंग हाउस,
6. वाजपेयी, अम्बिकाप्रसाद, हिन्दू राज्यशास्त्र प्रयाग 2006
7. विद्यालंकार, सत्यकेतु, प्राचीन भारतीय शासन व्यवस्था एवं राजशास्त्र, मसूरी सरस्वती सदन, 1968
8. विनोद एवं सिन्हा, रेखा प्राचीन भारतीय इतिहास एवं राजनैतिक चिन्तन दिल्ली राधा पब्लिकेशन, 1989
9. राजनीतिक चिंतक कौटिल्य, डॉ0 कमलेश कुमार सिंह, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

भारतीय रंगमंच (Skill Course 02 Credit)

इकाई– 1

1. भारतीय रंगमंच की परम्परा, उद्भव एवं विकास का इतिहास
2. रंगमंच के प्रकार

इकाई– 2

1. चतुर्विध अभिनय –

   क – आंगिक

   ख – वाचिक

   ग – आहार्य

   घ – सात्त्विक

2. नाट्य के निर्धारक मुख्य तत्त्व –

   क – वस्तु

   ख – नेता

   ग – रस

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. त्रिपाठी, राधावल्लभ, संक्षिप्त नाट्यशास्त्र हिन्दी भाषानुवाद सहित, दिल्ली वाणी प्रकाशन, 2008
2. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा एवं दशरूपक, दिल्ली राजकमल प्रकाशन, 1963
3. झा, सीताराम नाटक और रंगमंच, पटना, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, 1982
4. भरतमुनि, नाट्यशास्त्रम् (1–4भाग), सम्पादक बाबूराम शुक्ल शास्त्री, वाराणसी, चौखम्बा संस्थान, 1984.
5. त्रिपाठी, राजबल्लभ, नाट्यशास्त्र विश्वकोश (1–4भाग), प्रतिभा प्रकाशन, 1999
6. भरतमुनि, नाट्यशास्त्रम्, सम्पादक ब्रजमोहन चतुर्वेदी, दिल्ली विद्यानिधि प्रकाशन,2003
7. मुसलगांवकर, केशवराव, संस्कृतनाट्यमीमांसा, दिल्ली, परिमल प्रकाशन।
8. Gupta, C B. Indian Theatre. Varanasi: 1954.
9. Mehta, Tarala. Sanskrit Play Production in Ancient India. Delhi: Motilal Banarasi Dass, 1999.

चतुर्थ सेमेस्टर

संस्कृत साहित्य का इतिहास, संस्कृति तथा निबन्ध (Core 06 Credit)

(क) संस्कृत साहित्य का इतिहास–वाल्मीकि, व्यास, भास, कालिदास, माघ, भारवि, श्रीहर्ष, जयदेव, भवभूति, शूद्रक, विशाखदत्त, भर्तृहरि, बाण, सुबन्धु, दण्डी, पं0 राजजगन्नाथ।

(ख) भारतीय संस्कृति :

1. संस्कृति की विशेषताएँ
2. पंच महायज्ञ
3. आश्रमव्यवस्था
4. वर्णव्यवस्था
5. संस्कार
6. पुरुषार्थ

(ग) निबन्ध–संस्कृत में

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1.संस्कृत साहित्य का इतिहास : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

2.संस्कृत साहित्य का इतिहास : आचार्य बलदेव उपाध्याय

3.संस्कृत साहित्य का इतिहास : डॉ0 जयकिशन प्रसाद

4.भारतीय संस्कृति : डॉ0 किरण टण्डन

5.प्राचीन भारतीय कला एवं संस्कृति : डॉ0 राजकिशोर

6.भारतीय संस्कृति का इतिहास : डॉ0 नरेन्द्रदेव सिंह शास्त्री

7.संस्कृत निबन्धशतकम् : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

8. संस्कृत निबन्ध निधि : प्रो0 एम0 पी0 काला(विशाल प्रकाशन, चन्दौसी)

9. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर

10. संस्कृति और सभ्यता : सत्यकेतु विद्यालंकार

संस्कृत साहित्य का इतिहास तथा संस्कृति (Additional Course 04 Credit)

(क) संस्कृत साहित्य का इतिहास–वाल्मीकि, व्यास, भास, कालिदास, माघ, भारवि, श्रीहर्ष, जयदेव, भवभूति, शूद्रक, विशाखदत्त, भर्तृहरि, बाण, पं0 राजजगन्नाथ, सुबन्धु, दण्डी

(ख) भारतीय संस्कृति :

1. संस्कृति की विशेषताएँ
2. पंच महायज्ञ
3. आश्रमव्यवस्था
4. वर्णव्यवस्था
5. संस्कार
6. पुरुषार्थ

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास : आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास : डॉ0 जयकिशन प्रसाद
4. भारतीय संस्कृति : डॉ0 किरण टण्डन
5. प्राचीन भारतीय कला एवं संस्कृति : डॉ0 राजकिशोर
6. भारतीय संस्कृति का इतिहास : डॉ0 नरेन्द्रदेव सिंह शास्त्री
7. संस्कृत निबन्धशतकम् : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
8. संस्कृत निबन्ध निधि : प्रो0 एम0 पी0 काला(विशाल प्रकाशन, चन्दौसी)
9. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर
10. संस्कृति और सभ्यता : सत्यकेतु विद्यालंकार

संस्कृत भाषाविज्ञान के मूलतत्त्व (Multidisciplinary Course 04 Credit)

1. भाषा, अर्थ विविध रूप, उत्पत्ति एवं विकास, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा की सामान्य विशेषताएँ
2. भारोपीय भाषा परिवार एवं संस्कृत
3. ध्वनि–विज्ञान, अर्थ, ध्वनि परिवर्तन, कुछ प्रसिद्ध ध्वनि नियम, (ग्रिम, गॉसमान, वर्नर)
4. वाक्य–विज्ञान, अर्थ, वाक्य एवं पद सम्बन्ध, वाक्य के आवश्यक तत्त्व, वाक्य के प्रकार एवं वाक्य परिवर्तन के कारण।
5. लिपि, ध्वनि तथा वर्ण का सम्बन्ध, चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनिलिपि, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवम् उत्कृष्टता।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. भाषाविज्ञान, डॉ0 कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ
2. भाषाविज्ञान, डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड इलाहाबाद
3. भाषाविज्ञान, एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2012
4. भाषाविज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
5. भाषाविज्ञान – प्रो0 नरेश मिश्र

पातंजल योगसूत्र (Skill Course 02 Credit)

इकाई 1

- पातंजल योगसूत्र का सामान्य अध्ययन
- समाधिपाद सूत्र :– 1–15

इकाई 2

- समाधिपाद सूत्र :– 16–29

इकाई 3

- साधनपाद सूत्र :– 29–55

इकाई 4

- विभूतिपाद सूत्र :– 1–3

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. पातंजल योगदर्शन, गीताप्रेस गोरखपुर
2. योगप्रदीप, गीताप्रेस गोरखपुर

तृतीय वर्ष
पंचम सेमेस्टर
वेद एवम् उपनिषद (Elective 06 Credit)

(क) वेद –

(i) ऋग्वेद–अग्निसूक्त 1.1, अक्ष: 10.34, विष्णु 1.154, संज्ञान 10.191

(ii) यजुर्वेद–शिवसंकल्पसूक्त

(iii) अथर्ववेद–पृथिवीसूक्त (द्वादशकाण्ड, एक से बीस मंत्र)

(ख) कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय)

(ग) वैदिकसाहित्य का इतिहास

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. वैदिक–सूक्त सुधाकर, डॉ0 कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, शिक्षा साहित्य, रतिराम शास्त्री, सुभाष बाजार मेरठ
2. वैदिक सूक्तचयनिका, डॉ0किरण टण्डन एवं डॉ0 जयातिवारी, अंकित प्रकाशन, संस्करण–2001
3. ऋकसूक्तसंग्रह, डॉ0 हरिदत्त शास्त्री एवं डॉ0 कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ
4. कठोपनिषद्, डॉ0 वासुदेव कृष्णचतुर्वेदी
5. 108 उपनिषद्–गीताप्रेस गोरखपुर
6. वैदिकसाहित्य का इतिहास, श्रीगजानन शास्त्री मुसलगाँवकर एवं पं0 राजेश्वर केशव शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
7. वैदिकसाहित्य का इतिहास, डॉ0 कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ

समास एवं छन्दःशास्त्र (Elective 06 Credit)

- समास प्रकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी।
- छन्दःशास्त्र – सुवृत्ततिलकम्,

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
3. सुवृत्ततिलकम् – आचार्य क्षेमेन्द्र
4. वृत्तरत्नाकरबलदेव उपाध्य (.व्या) श्री केदारभट्ट : चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
5. छंदोऽलंकारसौरभम्, डॉ सावित्री गुप्ता विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली

पचंम सेमेस्टर

संस्कृतभाषा अध्ययन (Language Based Course 02 Credit)

इकाई 01

- देवनागरी लिपि, माहेश्वरसूत्र, उच्चारणस्थान, सन्धि (दीर्घ, गुण, यण, वृद्धि, अयादि, पूर्वरूप,पररूप, अनुस्वार, विसर्ग, श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व का सामान्य अध्ययन व प्रयोग)

इकाई 02

- कारक के सामान्य नियम

इकाई 03

- हितोपदेश (मित्रलाभ) कथामुख के चयनितपद्य (1, 2, 6, 9, 10 11, 21, 22, 25, 33, 36, 40, 42, 43, 47)
  लुब्धपथिक–वृद्धव्याघ्रकथा, मृग–श्रृगालकथा, जरद्गव विडालकथा।

इकाई 04

- दैनिक व्यावहारिक प्रचलित हिन्दी, अंग्रेजी शब्दों का संस्कृत रूप।
- शब्दावली–शरीरवर्ग, परिवारवर्ग एवं भोज्य पदार्थवर्ग।

इकाई 05

- अनुवाद एवं निबन्ध (रचनानुवादकौमुदी के आधार पर)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री(व्या.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. हितोपदेश, बालशास्त्री (संपा.), चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
5. संस्कृत–रचना, डॉ. उमेशचन्द्रपाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
6. अमरकोश – अमर सिंह

षष्ठ सेमेस्टर

काव्य, दर्शन एवं व्याकरण (Elective 06 Credit)

(क) काव्य : कादम्बरी, शुकनाशोपदेश
(ख) श्रीमद्भगवद्गीता : द्वितीय अध्याय
(ग) तर्कसंग्रह
(घ) शब्दरूप एवं धातुरूप (लेखनमात्र)

(i) शब्दरूप–राम, हरि, पितृ, लता, नदी, वधू, वारि, गुरु, फल, आत्मन्, सर्व, इदम्, भवत्, अस्मद्, युष्मद्।

(ii) धातुरूप–पठ्, कृ, हन्, भू, गम्, (लट्, लोट्, लिङ्, लृट, लङ्लकार)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थः–

1. बाणभट्ट, कादम्बरी–शुकनासोपदेश, व्याख्याकार प्रहलाद कुमार दिल्ली, मेहरचन्द लक्ष्मण दास 1974
2. कादम्बरी, चन्द्रकला संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित
3. कादम्बरी : शुकनासोपदेश,सान्वय संस्कृत–हिन्दी व्याख्या समालोचनात्मक भूमिका सहित व्याख्याकार झा–बन्धु
4. श्रीमद्भगवद्गीता, द्वितीय अध्याय, सम्पादक डॉ0 कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ
5. तर्कसंग्रह, हिन्दी टीका सहित दयानन्द भार्गव
6. तर्कसंग्रह, दीपिका हिन्दी टीका सहित
7. भगवद्गीता, तात्पर्य चन्द्रिका टीका रामानुजभाष्य सहित
8. संस्कृतरचनानुवादप्रभा, डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री

संस्कृत पत्रकारिता (Elective 06 Credit)

इकाई 01

- संस्कृत पत्रकारिता का उद्भव और विकास।

इकाई 02

- सम्पादक और सम्पादन के सिद्धांत।

इकाई 03

- आधनिक संस्कृत पत्रकारिता : समस्या और समाधान।

इकाई 04

- आकाशवाणी और दूरदर्शन में संस्कृत समाचार, संस्कृत वार्ता, संस्कृत और सोशल मीडिया।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ -:

1. पत्रकारितायाः परिचयः इतिहासश्च, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली।
2. संस्कृतपत्रकारितायाः स्वरूपं महत्त्वं च, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली।
3. संरकृतपत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, राम्पूर्णानन्द संरकृत विश्वविद्यालय, वाराणरी।

संस्कृत (सम्भाषण दक्षता) (Communication Skill Course 02 Credit)

(क) सम्भाषण का परिचय

- सम्भाषण का सिद्धान्त, प्रकार एवं माध्यम

(ख) संस्कृत में मौखिक सम्भाषण

1. सम्भाषण का अर्थ
2. सम्भाषण का प्रकार
   - I. स्वगत कथन
   - II. परस्पर कथन
   - III. सामूहिक चर्चा
   - IV. प्रश्नोत्तर
   - V. उद्घोषणा

(ग) संस्कृत में लिखित सम्भाषण

1. पत्र–लेखन :–
   - I. पारिवारिक पत्र–लेखन (पिता के लिए)
   - II. व्यवसायिक पत्र–लेखन (पुस्तक विक्रेता के लिए)
   - III. आमन्त्रण पत्र–लेखन

(घ) शब्दरूप धातुरूप एवं संख्या

- I. शब्दरूप : राम, हरि, गुरु, पितृ, रमा, नदी, मातृ, फल, तत्, अस्मद्, युष्मद्
- II. धातुरूप : अस्, भू ,गम् ,पठ ,, दृश्
- III. 1 से 100 तक संस्कृत संख्या

(ङ) संस्कृत में व्यावहारिक शब्द

I. वस्तु नाम

II. सम्बन्ध नाम

III. अंग नाम

IV. पशु–पक्षी नाम

पाठ्यपुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. द्विवेदी, कपिलदेव, प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2011
2. द्विवेदी, कपिलदेव, रचनानुवादकौमुदी, वाराणसी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन 2013
3. नौटियाल, चक्रधर हंस, बृहदनुवाद्चंद्रिका, दिल्ली, मोती लाल बनारसीदास, 2013
4. पत्राचार द्वारा संस्कृतम् (प्रवेश) हरिद्वार संस्कृत भारती, 2014
5. संस्कृत–व्यवहार–साहस्री, नई दिल्ली, संस्कृत भारती मातामन्दिर गली झण्डेवाला, 1998
6. वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी, प्राज्ञतोषणी व्याख्याकार और सम्पादक श्रीधरानन्द शास्त्री घिल्डियाल, दिल्ली मोती लाल बनारसीदास, 1977
7. व्यावहारिक सरस्कृत प्रशिक्षक,डॉ0 विजय कुमार कर्ण उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।

(Semester V/VI)

संस्कृतभाषा अध्ययन (Language Based Course 02 Credit)

इकाई 01

- देवनागरी लिपि, माहेश्वरसूत्र, उच्चारणस्थान, सन्धि (दीर्घ, गुण, यण, वृद्धि, अयादि, पूर्वरूप,पररूप, अनुस्वार, विसर्ग, श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व का सामान्य अध्ययन व प्रयोग)

इकाई 02

- कारक के सामान्य नियम

इकाई 03

- हितोपदेश (मित्रलाभ) कथामुख के चयनितपद्य (1, 2, 6, 9, 10 11, 21, 22, 25, 33, 36, 40, 42, 43, 47)
  लुब्धपथिक–वृद्धव्याघ्रकथा, मृग–श्रृगालकथा, जरद्गव विडालकथा।

इकाई 04

- दैनिक व्यावहारिक प्रचलित हिन्दी, अंग्रेजी शब्दों का संस्कृत रूप।
- शब्दावली–शरीरवर्ग, परिवारवर्ग एवं भोज्य पदार्थवर्ग।

इकाई 05

- अनुवाद एवं निबन्ध (रचनानुवादकौमुदी के आधार पर)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री(व्या.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. हितोपदेश, बालशास्त्री (संपा.), चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
5. संस्कृत–रचना, डॉ. उमेशचन्द्रपाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
6. अमरकोश – अमर सिंह

चतुर्थ वर्ष सशोध (With Research)

सप्तम सेमेस्टर

उपनिषद् और वैदिक वाङ्मय का इतिहास -(Core 04 Credit)

1. तैत्तिरीयोपनिषत्
2. वैदिक वाङ्मय का इतिहास

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. तैत्तिरीयोपनिषद्, शांकरभाष्य हिन्दी अनुवाद सहित, सम्पादक–चुन्नीलाल शुक्ल
2. तैत्तिरीयोपनिषद, भाष्यवार्तिक, सुरेश्वराचार्य कृत हिन्दी व्याख्या सहित
3. वैदिक वाङ्मय का इतिहास, भगवदत्त, प्रणव प्रकाशन, नई दिल्ली, 1/28, पंजाबी बाग।
4. वैदिक साहित्य और संस्कृति, उपाध्याय, बलदेव, शारदा मंदिर, काशी, 1967.
5. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, द्विवेदी, कपिल देव, इलाहाबाद संस्कृत साहित्य संस्थान, 37, कचेहरी मार्ग।

भारतीय दर्शन (Core 04 Credit)

1. केशवमिश्र. तर्कभाषा प्रामाण्यवादपर्यन्त
2. ईश्वरकृष्ण. सांख्यकारिका

पाठ्यपुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. तर्कभाषा, केशवमिश्र, संपादक विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
2. तर्कभाषा, केशवमिश्र, संपादक गजानन शास्त्री, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
3. सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण, वाचस्पति मिश्र, भारतीय विद्या भवन, वाराणसी।
4. सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण, वाचस्पति मिश्र, हिंदी टीकाकार आद्याप्रसाद मिश्र, सत्य प्रकाशन, इलाहाबाद।

अनुसन्धान क्रियाविधि (Core 06 Credit)

1. शोध–प्रविधि के प्रमुख आयाम

I. भूमिका

II. शोध एवं ज्ञानार्जन की योग्यता

III. संस्कृत समीक्षा शास्त्र में शोध का स्वरूप

IV. अनुसंधान का आधुनिक अभिप्राय

V. अनुसंधान की आवश्यकता

VI. अनुसंधान के क्षेत्र

VII. अनुसंधान के प्रकार

VIII. शोध–प्रविधि की विविध पद्धतियाँ

2. शोध–प्रबन्ध–स्वरूप लेखन एवं उपकरण

I. शोध–प्रबन्ध एवं शोध–पत्र
II. शोध –विषय
III. शोधार्थी एवं शोध –निर्देशक
IV. शोध –विषय का चयन एवं शीर्षक निर्धारण
V. शोध –प्रबन्ध का स्वरूप एवं उसकी रूपरेखा
VI. सामग्री संकलन : मुख्य एवं गौण
VII. शोध–प्रबन्ध के मुख्य घटक तत्त्व :–

- अध्यायों में विभाजन
- पाद टिप्पणी एवं उद्धरण
- भूमिका
- निष्कर्ष
- ग्रन्थ–सूची

VIII. आधुनिक शोध–कार्य में संगणक की भूमिका

3. ग्रन्थ सम्पादन स्वरूप एवं प्रक्रिया

I. ग्रन्थ क्या है?

II. सम्पादन का वर्तमान अर्थ

III. पाण्डुलिपियों के स्रोत

IV. सम्पादन के सहायक अंग :–

- विशिष्ट ग्रन्थ सम्पादन
- समीक्षात्मक व्याख्या पद्धति
- मूल ग्रन्थ अथवा शास्त्रों पर भाष्य

4. ग्रन्थसमीक्षा का स्वरूप।

5. सम्पादन– प्रक्रिया ।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :

1. शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान,प्रो0 अभिराज राजेन्द्रमिश्र अक्षयवट प्रकाशन,
2. Elements of Research Methodology in Sanskrit, Dr. Keshab Chandra Dash, Chaukhambha Sanskrit Sansthan, Varanasi-221001
3. Writing Your Thesis and Research Papers, R. K. Singh, Prakash Book Depot, Bareilly-243003

संस्कृत परम्परा में धर्म, दर्शन और संस्कृति (Elective 04 Credit)

इकाई 1

धर्म

1. ईश्वर का स्वरूप, पूजाविधि, नैतिक रूप से विकसित भक्त–गीता अध्याय 12
2. धर्म : धर्म के दसलक्षण एवं उसके प्रकार, सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह तथा पंचमहायज्ञों की परिभाषा, तीन ऋणों की व्याख्या।
3. मानवीय पहल एवं दैवीय संरचना, ईश्वरीय लीला एवं कृपा, कर्म के तीन प्रकार – संचित, क्रियमाण, प्रारब्ध

इकाई 2

संस्कार और पुरुषार्थ

1. पालन–पोषण की प्रक्रिया, संस्कारों का महत्त्व
2. मनुष्य जीवन का उद्देश्य – पुरुषार्थ।

इकाई 3

स्वधर्म

1. अनैतिक व्यक्ति, स्वधर्म एवं कर्मयोग, गीता में स्थितप्रज्ञ (अध्याय–2)
2. प्रकृति : तीन गुण एवं उनका व्यक्तित्त्व पर प्रभाव।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. श्रीवेदव्यास, श्रीमद्भगवद्गीता, सम्पादक हनुमान प्रसादपोद्दार, गोरखपुर गीताप्रेस
2. गोयल डॉ॰ प्रीतिप्रभा, भारतीय संस्कृति, जोधपुर राजस्थानी ग्रंथागार, 2004
3. शास्त्री डॉ॰ नरेन्द्रदेव सिंह, भारतीय संस्कृति का इतिहास मेरठ साहित्य भण्डार सुभाष बाजार, 1969
4. काणे, पाण्डुरंगवामन, धर्मशास्त्र का इतिहास, हिन्दी भाषानुवादक अर्जुनचौब्बे, प्रतापगढ़

संगणकीय संस्कृत (Elective 04 Credit)

इकाई 01 : परिचय : संगणक की भाषा एवं संप्रेषण, भाषाओं के स्तर, लिप्यंतरण के नियम।

इकाई 02 : संरचना एवं संघटन : संचालन तन्त्र (Operating System). विण्डो एक्स.पी, विण्डो 2007, विण्डो 2008, विण्डो 2010.

इकाई 03 : माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के उपकरण (MS OFFICE TOOLS), अन्तर्जाल प्रयोग (Use Of Internet).

इकाई 04 : एचटीएमएल प्रोग्रामिंगभाषा : स्क्रिप्टभाषा, सूचनातन्त्र।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ -:

1. कम्प्यूटर का परिचय, गौरवअग्रवाल, शिवाप्रकाशन, इन्दौर
2. कम्प्यूटरफंडामेंटल, पी.के.सिन्हा, बी.पी.बी.पब्लिकेशन नई दिल्ली
3. इन्फार्मेशनटेक्नालॉजी, सुमिताअरोरा, धनपतराय पब्लिकेशन नई दिल्ली
4- Computer Processing of Nominal Inflection in Snskrit : Method and Implementations. Subhash Chandra and , GN Jha, CSP. UK
5- NLP in Prolog, Gazdar G. and C.Mellish Wolkhingghanm: Addison Wesley
6- Computational Linguisties : An introduetion. R Grishman. Cambridge university Press
7- Sanskrit Computational Linguisties. Girish Nath Jha (ed.). Springer Verlag Germany
8- MS Windows XP/2007/2008 Manual

अष्टम सेमेस्टर

वैदिकसूक्त और निरुक्त - (Core 04 Credit)

1. वैदिकसूक्त

ऋग्वेद के सूक्त. इन्द्रसूक्त 1 / 32, सवितृसूक्त 1 / 35, उषस्सूक्त 1 / 48, सूर्यसूक्त 1 / 115, विश्वामित्र नदीसंवादसूक्त-3 / 33, सोमसूक्त 9 / 80, पर्जन्यसूक्त 5 / 83, पुरुषसूक्त 10 / 90, हिरण्यगर्भसूक्त 10 / 121, वाक्सूक्त 10 / 125, नासदीयसूक्त 10 / 129.
शुक्लयजुर्वेद, योगक्षेम-22 / 22
अथर्ववेद, राष्ट्राभिवर्धनसूक्त 1 / 29.

2 यास्क. निरुक्त प्रथम अध्याय और द्वितीय अध्याय के प्रथम द्वितीय पाद।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. ऋक्तरूक्तरुधाकर, कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. यास्क .निरुक्त सम्पादक उमाशङ्कर ऋषि वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन, 2005
3. यास्कनिरुक्त दुर्गवृत्ति सहित., सम्पादक परमेश्वरान्द छज्जूलाल और देवशर्मादिल्ली मेहरचन्द लक्षमनदास . पब्लिकेशन,2009
4. ऋक्तसूक्तसंग्रह – कृष्णकुमार।

संस्कृत महाकाव्य (Core 04 Credit)

1. माघ शिशुपालवधम् प्रथमसर्ग
2. अश्वघोष बुद्धचरितम् प्रथम और द्वितीय सर्ग

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. शिशुपालवधम्, माघ, मल्लिनाथसूरि, खेमराज श्रीकृष्णदास मुद्रणालय, मुम्बई।
2. शिशुपालवधम्, माघ, देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ।
3. शिशुपालवधम्, माघ, मल्लिनाथसूरि, खेमराज श्रीकृष्णदास मुद्रणालय, मुम्बई।
4. बुद्धचरितम्, अश्वघोष, महन्त श्रीरामचन्द्रदास शास्त्री, चौखम्बा, विद्याभवन, वाराणसी।
5. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, कपिलदेव, द्विवेदी, संस्कृतसाहित्य संस्थान, इलाहाबाद

पुराणेतिहास (Elective 04 Credit)

1. **विष्णुपुराण** प्रथमअंश के प्रथम अध्याय से पञ्चम अध्याय तक
2. महाभारत **शान्तिपर्व** के राजधर्मानुशासन के 50 वें अध्याय से 70 वें अध्याय तक

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. व्यासगोरखपुर गीताप्रेस .विष्णुपुराण ., विक्रम संवत्सर 2044.
2. व्यास .विष्णुपुराणराजेन्द् .सम्पादक डॉ .रलाल देहली नाग पब्लिशर्स .11जवाहरनगर०ए०यू/ए/,1983.
3. व्यासमहाभार .त सम्पादकमण्डल वीसूकथङ्कर .एस ., एरघुवीर .एडगर्टन ., एसबेलवल्कर .के ., पी .एल . वैद्य, आरदाण्डेकर .एन ., एचवेलङ्कर .डी ., पी .करमाकर .डी .पराञ्जपे और आर .जी .पुणे भाण्डारकर प्राच्य विद्यामन्दिर, 1933-1959.
4. व्यासगोरखपुर गीताप्रेस .महाभारत ., विक्रम संवत्सर2055.
5. उपाध्याय, बलदेववाराणसी चौखम्बा विद्या भवन .विमर्श-पुराण ., 1968.
6. त्रिपाठी, कृष्णमणिवाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन .पुराणपर्यालोचन समीक्षात्मकभाग .,1975.
7. त्रिपाठी, कृष्णमणिवाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन .पर्यालोचन गवेषणात्मक भागपुराण .,1976
8. द्विवेदी, कपिलदेव, संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास इलाहाबाद संस्कृत साहित्य संस्थान .37 . .कचेहरी मार्ग

गीता में आत्मप्रबन्धन (Elective 04 Credit)

इकाई 01 : संज्ञानात्मक एवं संवेगात्मक तन्त्र इन्द्रिय :, मन, बुद्धि एवं आत्मा का अनुक्रम- 3/42, 7/4-6, आत्मा की भूमिका -15/7,9, 10/20,22 मध -प्रकृति का अवयव :7/4, त्रिविध गुणों की सम्पत्ति, स्वरूप एवं मन पर प्रभाव – 15/5-8, 11-13, 17

इकाई 02 : मन पर नियन्त्रणकिंकर्तव्यविमूढ़ता एव :ं मानसिक द्वंद्व मानसिक द्वंद्वों का स्वरूप :– 1/1, 4/16,2/6 कारणकार्यसम्बन्धी तथ्य-; अज्ञान -2/41, इन्द्रिय-2/60,मन -2/67,रजोगुण -3/36-39, 16/21 मन की दुर्बलता - 2/3,4/5

मन पर नियन्त्रण के साधन -ध्यान में कठिनाइयाँ :6/34-35, कार्यप्रणाली -6/11-14; संतुलित जीवन -3/8, 6/16-17; आहार नियन्त्रण -15/8-10;शारीरिक एवं मानसिक अनुशासन -17/14-19, 6/36

इकाई 03 : मानसिक द्वंद्वों का उपशमन ज्ञान की महत्ता:– 2/52, 4/38-39,42; बुद्धि की स्पष्टता -18/30-32, 2/65;निर्णय लेने की प्रक्रिया -18/63, 2/49, 2/52; इन्द्रियों पर नियन्त्रण -2/59,64; कर्तृभाव का समर्पण-18/13-16, 5/8-9; निष्कामभाव -2/48,55; परोपकार -3/25,9/27,29

इकाई 04 : भक्ति या समर्पण द्वारा समर्पण अंहकार का त्याग :9/27, 8/7, 11/55, 2/47; तुच्छ भावनाओं का परित्याग -7/21, 4/11, 9/26; नैतिक -योग्यताओं की संप्राप्ति-9/11,12/13-19

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. श्रीमद्भगवद्गीता, हिन्दीअंग्रेजी अनुवाद सहित -, गीताप्रेस गोरखपुर
2. श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य, बालगंगाधर तिलक
3. श्रीमद्भगवद्गीता (ग्यारह टीकाओं के साथ), गजानन सम्भु साधले, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
4. श्रीमद्भगवद्गीतायथारूप -, प्रभुपाद, मुम्बई
5. The Holy Geeta,Chinmay anand, Chinmay Publication, Mumbai
6. Essay on Geeta,Shri Auro bindi,Shri Aravind Ashram, Pondicherry
7. Managing Oneself (Shrimad Bhagavadgita:Theory and Practice), V.R. Panchmukhi, Panchmukhi Indological Center,New Delhi
8. Essence of Shrimad Bhagavadgita : Health and Fitness, N.K. Shrinivas an, Pustak Mahal,Delhi

चतुर्थ वर्ष (ससम्मान (With Honours))

सप्तम सेमेस्टर

उपनिषद् और वैदिक वाङ्मय का इतिहास -(Core 04 Credit)

- तैत्तिरीयोपनिषत्
- वैदिक वाङ्मय का इतिहास

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. तैत्तिरीयोपनिषद्, शांकरभाष्य हिन्दी अनुवाद सहित, सम्पादक–चुन्नीलाल शुक्ल
2. तैत्तिरीयोपनिषद, भाष्यवार्तिक, सुरेश्वराचार्य कृत हिन्दी व्याख्या सहित
3. भगवद्दत्त.नई दिल्ली प्रणव प्रकाशन .वैदिक वाङ्मय का इतिहास .1/28 पंजाबी बाग.
4. उपाध्याय,बलदेवकाशी शारदा मन्दिर .वैदिक साहित्य और संस्कृति .,1967.
5. द्विवेदी, कपिलदेव.**का समीक्षात्मक इतिहास** संस्कृत साहित्य . **इलाहाबाद संस्कृत साहित्य संस्थान 37.कचेहरी मार्ग.**

- केशवमिश्र. **तर्कभाषा** प्रामाण्यवादपर्यन्त
- ईश्वरकृष्ण. **सांख्यकारिका**

पाठ्यपुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. तर्कभाषावाराणसी चौखम्बा संस्कृत .हिन्दी अनुवाद और सम्पादक विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि . संस्थान, विक्रम संवत्सर 2062.
2. केशवमिश्रस्त्री व्याख्याकार और सम्पादक गजानन शा .माधुरी हिन्दी व्याख्या सहित .तर्कभाषा . मुसलगाँवकर वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, 1984
3. ईश्वरकृष्णसांख्यकारिका वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्वकौमुदी की . विद्वत्तोषिणी व्याख्यायुक्त.जगत गंज .वाराणसी भारतीय विद्याभवन .व्याख्याकार बालराम उदासीन .
4. ईश्वरकृष्णवाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्वक .कारिकासांख्य .ौमुदी की प्रभा हिन्दी टीका सहित हिन्दीटीकाकार आद्याप्रसाद मिश्र, इलाहाबाद सत्यप्रकाशन बलरामपुर हाउस इलाहाबाद .पुनः प्रकाशित . प्रकाशन,1969

भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता (Minor Elective 03 Credit)

इकाई 01 संस्कृति एवं सभ्यता की परिभाषा तथा स्वरूप, वैदिक एवं उत्तर वैदिक कालीन सभ्यता एवं संस्कृति, भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की विशेषताएँ

इकाई 02 रामायणकालीन, महाभारतकालीन, महाकाव्यकालीन, एवं पुराणकालीन सभ्यता एवं संस्कृति

इकाई 03 निम्नलिखित विषयों के विशेष सन्दर्भ में भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का अध्ययनवर्णाश्रम व्यवस्था -, पुरुषार्थ चतुष्ट्य, षोडश संस्कार, विवाह के प्रकार, प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली, प्राचीन भारत नारी

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ

1. भारतस्य सांस्कृतिकनिधिः, रामजी उपाध्याय , चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति, बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
3. भारतीय संस्कृति का उत्थान, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, दिल्ली
4. धर्मशास्त्र का इतिहास, पीवी काणे ., उत्तरसंस्थान प्रदेश हिन्दी-, लखनऊ
5. प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता, डीकौशाम्बी .डी ., राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. भारतीय संस्कृति : कुछ विचार, सर्वपल्ली राधाकृष्णन, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
7. भारत की राष्ट्रीय संस्कृतिआबिर .हुसैन एस.-, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
8. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर।
9. संस्कृति और सभ्यता – सत्यकेतु विद्यालंकार।
10. सत्यार्थ प्रकाश – स्वामी दयानन्द।
11. Glories of india PK Acharya
12. The Wonder that was india ,AL Bhashan

भारतीय इतिहास दृष्टि एवं कालविज्ञान (Minor Elective 03 Credit)

इकाई 01: कालविज्ञान के घटक तत्त्व :संवत्सरविज्ञान, अयनविज्ञान, ऋतुविज्ञान, मास, पक्ष, तिथिविज्ञान, वारविज्ञान, नक्षत्रविज्ञान, वैदिककाल में नक्षत्रादि

इकाई 02 : इतिहासलेखन इतिहास के विषय :, विस्तार और पद्धति, इतिहास के साधन और मर्यादाएँ, इतिहास लेखन की समस्याएँ एवं समाधान ऐतिहासिक), साहित्यिक, वैज्ञानिक, माइथोलॉजी एवं इतिहास(, प्राचीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोत धार्मिक साहित्य-साहित्यिक साक्ष्य), लौकिक साहित्य, विदेशी यात्रियों के विवरणरोमन -यूनानी-लेखक, चीनी लेखक, अरबी लेखक, पुरातत्त्व सम्बन्धी साक्ष्य(, मनुष्य की जन्मभूमि, आर्यों के मूलनिवास के सम्बन्ध में विभिन्न मत, सप्तसिन्धुवाद, आर्यभाषाओं का उद्गम, प्रसिद्ध तथा महत्वपूर्ण ग्रन्थों तथा लेखकों का काल निर्धारण, तिलक का ओरायन या वैदिक प्राचीनता की खोज, सूर्यसिद्धान्त

इकाई 03: वेधप्रकरण भारत में वेध परम्परा :, कालमापक यन्त्रनाड़ी)वलय यन्त्र, बृहत्सम्राट्पलभा यन्त्र-, शङ्कु यन्त्र, धीयन्त्र, चक्रयन्त्र, क्रान्तिवृत्त यन्त्र, तुरीय यन्त्र, कर्कराशिवलय यन्त्र, मकरराशिवलय यन्त्र, उन्नतांश यन्त्र, षष्ठ्यंश यन्त्र

इकाई 04 : प्रमुख भारतीय गणितज्ञ लगधमुनि : (परिचय एवं योगदान), बौधायन, आपस्तम्ब, आर्यभट्टप्रथम-, वराहमिहिर, भास्करप्रथम-, आर्यभट्टद्वितीय-, ब्रह्मगुप्त, लल्लाचार्य, महावीराचार्य, भास्करद्वितीय-, नीलकंठ सोमयाजी, शंकर वारियार, शंकर बालकृष्ण दीक्षित, पसुधाकर द्विवेदी ., भारती कृष्ण तीर्थ

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ:

1. भारतीय गणितज्ञ, अनन्त व्यवहारे, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2011
2. भारतीय व्रतोत्सव, पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1988
3. पञ्चाङ्गगणितम्-, कल्याणदत्त शर्मा, वेदमाता गायत्री ट्रस्ट, हरिद्वार, संवत् 2062
4. भखरतीयज्योतिष लकृष्ण दीक्षित की मंराठीशंकर बा)पुस्तक का हिन्दी अनुवाद(, शिवनाथ झारखण्डी, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 2002
5. ज्योतिर्विज्ञान की वेधशाला, कल्याणदत्त शर्मा, वेदमाता गायत्री ट्रस्ट, हरिद्वार, संवत् 2061
6. The orion or Researches into The Antiquity of the vedas, Bal Gangadhar Tilak, Messrs Tilak Bros, Poona city
7. The Wonder That was India, AL, Badnam
8. How to read History, Archibald Robertson,London, 1952

साहित्य सम्प्रदाय विमर्श (Minor Core 03 Credit)

इकाई–1

- रस सम्प्रदाय
- अलंकार सम्प्रदाय

इकाई–2

- रीति सम्प्रदाय
- ध्वनि सम्प्रदाय

इकाई–3

- वक्रोक्ति सम्प्रदाय
- औचित्य सम्प्रदाय

सन्दर्भ ग्रन्थ–

1. नाट्यशास्त्र–भरतमुनि
2. काव्यालंकार–आचार्यभामह
3. काव्यालंकार –आचार्य रूद्रट
4. काव्यालंकारसूत्र – आचार्य वामन
5. ध्वन्यालोक–आचार्य आनन्दवर्धन
6. वक्रोक्ति जीवितम्–आचार्य कुन्तक
7. औचित्य विचार चर्चा– आचार्य क्षेमेन्द्र
8. संस्कृत साहित्यशास्त्र का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय संस्कृत वाङ्मय कोश–श्रीधर वर्णेकर

संस्कृत परम्परा में धर्म, दर्शन और संस्कृति (Elective 04 Credit)

इकाई 1

धर्म

1. ईश्वर का स्वरूप, पूजाविधि, नैतिक रूप से विकसित भक्त–गीता अध्याय 12
2. धर्म– धर्म के दसगुण एवं उसके प्रकार, सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह तथा पंचमहायज्ञों की परिभाषा, तीन ऋणों की व्याख्यज्ञं
3. मानवीय पहल एवं दैवीय संरचना, ईश्वरीय लीला एवं कृपा, कर्म के तीन प्रकार – संचित, क्रियमाण, प्रारब्ध

इकाई 2

संस्कार और पुरुषार्थ

1. पालन–पोषण की प्रक्रिया, संस्कारों का महत्त्व।
2. मनुष्य जीवन का उद्देश्य – पुरुषार्थ।

इकाई 3

स्वधर्म

1. अनैतिक व्यक्ति, स्वधर्म एवं कर्मयोग, गीता में स्थितप्रज्ञ (अध्याय–2)
2. प्रकृति – तीन गुण एवं उनका व्यक्तित्त्व पर प्रभाव

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. श्रीवेदव्यास, श्रीमद्भगवद्गीता, सम्पादक हनुमान प्रसादपोद्दार, गोरखपुर गीताप्रेस
2. गोयल डॉ॰ प्रीतिप्रभा, भारतीय संस्कृति, जोधपुर राजस्थानी ग्रंथागार, 2004
3. शास्त्री डॉ॰ नरेन्द्रदेव सिंह, भारतीय संस्कृति का इतिहास मेरठ साहित्य भण्डार सुभाष बाजार, 1969
4. काणे, पाण्डुरंगवामन, धर्मशास्त्र का इतिहास, हिन्दी भाषानुवादक अर्जुनचौब्बे, प्रतापगढ़

संगणकीय संस्कृत (Elective 04 Credit)

इकाई 01 : परिचय : संगणक की भाषा एवं संप्रेषण, भाषाओं के स्तर, लिप्यंतरण के नियम।

इकाई 02 : संरचना एवं संघटन : संचालन तन्त्र (Operating System), विण्डो एक्स.पी, विण्डो 2007, विण्डो 2008, विण्डो 2010.

इकाई 03 : माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के उपकरण (MS OFFICE TOOLS), अन्तर्जाल प्रयोग (Use Of Internet).

इकाई 04 : एचटीएमएल प्रोग्रामिंगभाषा : स्क्रिप्टभाषा, सूचनातन्त्र।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ -:

1. कम्प्यूटर का परिचय, गौरवअग्रवाल, शिवाप्रकाशन, इन्दौर
2. कम्प्यूटरफंडामेंटल, पी.के.सिन्हा, बी.पी.बी.पब्लिकेशन नई दिल्ली
3. इन्फार्मेशनटेक्नालॉजी, सुमिताअरोरा, धनपतराय पब्लिकेशन नई दिल्ली
4. Computer Processing of Nominal Inflection in Snskrit : Method and Implementations. Subhash Chandra and , GN Jha, CSP. UK
5. NLP in Prolog, Gazdar G. and C.Mellish Wolkhingghanm: Addison Wesley
6. Computational Linguisties : An introduetion. R Grishman. Cambridge university Press
7. Sanskrit Computational Linguisties. Girish Nath Jha (ed.). Springer Verlag Germany
8. MS Windows XP/2007/2008 Manual

अष्टम सेमेस्टर (ससम्मान (With Honours))

वैदिकसूक्त और निरुक्त -(Core 04 Credit)

1. वैदिकसूक्त

ऋग्वेद के सूक्त. इन्द्रसूक्त 1/32, सवितृसूक्त 1/35, उषस्सूक्त 1/48, सूर्यसूक्त 1/115, विश्वामित्र नदीसंवादसूक्त-3/33, सोमसूक्त 9/80, पर्जन्यसूक्त 5/83, पुरुषसूक्त 10/90, हिरण्यगर्भसूक्त 10/121, वाक्सूक्त 10/125, नासदीयसूक्त 10/129.

शुक्लयजुर्वेद, योगक्षेम-22/22

अथर्ववेद, राष्ट्राभिवर्धनसूक्त 1/29.

2. यास्क. निरुक्त प्रथम अध्याय और द्वितीय अध्याय के प्रथम द्वितीय पाद।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. ऋक्तसूक्तसुधाकर, कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. यास्क .निरुक्त सम्पादक उमाशङ्कर ऋषि वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन, 2005
3. यास्कनिरुक्त दुर्गवृत्ति सहित., सम्पादक परमेश्वरान्द छज्जूलाल और देवशर्मादिल्ली मेहरचन्द लक्षमनदास . पब्लिकेशन,2009
4. ऋक्तसूक्तसंग्रह – कृष्णकुमार।

संस्कृत महाकाव्य (Core 04 Credit)

1. माघ शिशुपालवधम् प्रथमसर्ग
2. अश्वघोष बुद्धचरितम् प्रथम और द्वितीय सर्ग

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. शिशुपालवधम्, माघ, मल्लिनाथसूरि, खेमराज श्रीकृष्णदास मुद्रणालय, मुम्बई।
2. शिशुपालवधम्, माघ, देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ।
3. शिशुपालवधम्, माघ, मल्लिनाथसूरि, खेमराज श्रीकृष्णदास मुद्रणालय, मुम्बई।
4. बुद्धचरितम्, अश्वघोष, महन्त श्रीरामचन्द्रदास शास्त्री, चौखम्बा, विद्याभवन, वाराणसी।
5. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, कपिलदेव, द्विवेदी, संस्कृतसाहित्य संस्थान, इलाहाबाद।

पुराणेतिहास (Elective 04 Credit)

1. **विष्णुपुराण** प्रथम अंश के प्रथम अध्याय से पञ्चम अध्याय तक
2. महाभारत **शान्तिपर्व** के राजधर्मानुशासन के 50 वें अध्याय से 70 वें अध्याय तक

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

i. व्यासगोरखपुर गीताप्रेस .विष्णुपुराण ., विक्रम संवत्सर 2044.
ii. व्यास .विष्णुपुराणराजेन्द् .सम्पादक डॉ .रलाल देहली नाग पब्लिशर्स . 11जवाहरनगर०ए०यू/ए/,1983.
iii. व्यासमहाभार .त सम्पादकमण्डल वीसूकथङ्कर .एस ., एरघुवीर .र्टनएडग ., एसबेलवल्कर .के ., पीवैद्य .एल ., आरदाण्डेकर .एन ., एचवेलङ्कर .डी ., पी .डी .पराञ्जपे और आर .जी . .करमाकरपुणे भाण्डारकर प्राच्य विद्यामन्दिर, 1933-1959.
iv. व्यासगोरखपुर गीताप्रेस .महाभारत ., विक्रम संवत्सर2055.
v. उपाध्याय, बलदेवणसी चौखम्बा विद्या भवनवारा .विमर्श-पुराण ., 1968.
vi. त्रिपाठी, कृष्णमणिवाराणसी चौखम्बा सुरभारती .पुराणपर्यालोचन समीक्षात्मकभाग . प्रकाशन,1975.
vii. त्रिपाठी, कृष्णमणिवाराणसी चौखम्बा सुरभारती .पुराणपर्यालोचन गवेषणात्मक भाग . प्रकाशन,1976
viii. द्विवेदी, कपिलदेव, संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास इलाहाबाद संस्कृत साहित्य संस्थान . 37.कचेहरी मार्ग .

गीता में आत्मप्रबन्धन (Elective 04 Credit)

इकाई 01 : संज्ञानात्मक एवं संवेगात्मक तन्त्र इन्द्रिय :, मन, बुद्धि एवं आत्मा का अनुक्रम- 3/42, 7/4-6, आत्मा की भूमिका -15/7,9, 10/20,22 मध -प्रकृति का अवयव :7/4, त्रिविध गुणों की सम्पत्ति, स्वरूप एवं मन पर प्रभाव – 15/5-8, 11-13, 17

इकाई 02 : मन पर नियन्त्रणकिंकर्तव्यविमूढ़ता एव :ं मानसिक द्वंद्व मानसिक द्वंद्वों का स्वरूप :– 1/1, 4/16,2/6 कारणकार्यसम्बन्धी तथ्य-; अज्ञान -2/41, इन्द्रिय-2/60,मन -2/67,रजोगुण -3/36-39, 16/21 मन की दुर्बलता - 2/3,4/5

मन पर नियन्त्रण के साधन -ध्यान में कठिनाइयाँ :6/34-35, कार्यप्रणाली -6/11-14; संतुलित जीवन -3/8, 6/16-17; आहार नियन्त्रण -15/8-10;शारीरिक एवं मानसिक अनुशासन -17/14-19, 6/36

इकाई 03 : मानसिक द्वंद्वों का उपशमन ज्ञान की महत्ता:– 2/52, 4/38-39,42; बुद्धि की स्पष्टता -18/30-32, 2/65;निर्णय लेने की प्रक्रिया -18/63, 2/49, 2/52; इन्द्रियों पर नियन्त्रण -2/59,64; कर्तृभाव का समर्पण-18/13-16, 5/8-9; निष्कामभाव -2/48,55; परोपकार -3/25,9/27,29

इकाई 04 : भक्ति या समर्पण द्वारा समर्पण अंहकार का त्याग :9/27, 8/7, 11/55, 2/47; तुच्छ भावनाओं का परित्याग -7/21, 4/11, 9/26; नैतिक -योग्यताओं की संप्राप्ति-9/11,12/13-19

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. श्रीमद्भगवद्गीता, हिन्दीअंग्रेजी अनुवाद सहित -, गीताप्रेस गोरखपुर
2. श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य, बालगंगाधर तिलक
3. श्रीमद्भगवद्गीता (ग्यारह टीकाओं के साथ), गजानन सम्भु साधले, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
4. श्रीमद्भगवद्गीतायथारूप -, प्रभुपाद, मुम्बई
5. The Holy Geeta,Chinmay anand, Chinmay Publication, Mumbai
6. Essay on Geeta,Shri Auro bindi,Shri Aravind Ashram, Pondicherry
7. Managing Oneself (Shrimad Bhagavadgita:Theory and Practice), V.R. Panchmukhi, Panchmukhi Indological Center,New Delhi
8. Essence of Shrimad Bhagavadgita : Health and Fitness, N.K. Shrinivas an, Pustak Mahal,Delhi

भारतीय दर्शन परम्परा (Minor Core 03 Credit)

इकाई–1

जैन,बौद्ध एवं चार्वाक दर्शन

इकाई–2

सांख्य,योग दर्शन

इकाई–3

न्याय,वैशेषिक दर्शन

इकाई–4

पूर्वमीमांसा,वेदान्त दर्शन

सन्दर्भ ग्रन्थ–

1. भारतीय दर्शन– श्री सतीशचन्द्र चट्टोपाध्याय,श्री धीरेन्द्र मोहन दत्त ,पुस्तकभण्डार,पटना
2. भारतीय दर्शन ;आलोचन और अनुशीलन द्ध–श्री चन्द्रधर शर्मा, मोतिलाल बनारसी पब्लिशर्स दिल्ली
3. भारतीय दर्शन श्री संगमलाल पाण्डेय.

संस्कृत साहित्य सर्वेक्षण (Minor Elective 03 Credit)

इकाई 01: वैदिक साहित्य कालनिर्णय (श्वात्य मतभारतीय एवं पा), संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदांग, रामायण, महाभारत, पुराणों का सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक एवं राजनैतिक अध्ययन

इकाई 02 : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य, नीतिकाव्य, स्तोत्रकाव्य उद्भव और विकास :, लक्षण एवं विशेषताएँ

इकाई 03 : गद्य तथा चम्पू साहित्य उद्भव और विकास :, लक्षण एवं विशेषताएँ

इकाई 04 : दृश्य काव्य संस्कृत रूपकों का उद्भव और विकास :, संस्कृत रूपकों के भेद, संस्कृत रूपकों की उत्पत्ति के विविध सिद्धांत

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति, बलदेव उपाध्याय, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर त्ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. M.Krishnamachariar,History of Classical Sanskrit Literature, Motilal Banarasidas,Delhi
7. History of Sanskrit Literature,A.B. Keith, Motilal Banarasidas,Delhi
8. Gauri nath Shastri, AConcise History of Sanskrit Literature, Motilal Banarasidas, Delhi
9. Maurice Winter it's,Indian Literature (Vol.I-III),Motilal Banarasidas,Delhi

भारतीय अभिलेख (Minor Elective 04 Credit)

भारतीय अभिलेख :

1. भारत में लेखन परम्परा
2. लिपियों की उत्पत्ति
3. प्रमुख लिपियाँ : ब्राह्मी, खरोष्ठी, गुप्त, कुटिल, नागरी, शारदा, बंगला, पश्चिमी, मध्यप्रदेशी।
4. तेलगू, कन्नड़ी, कलिंग, तमिल, वट्टेलुत्तु।
5. ब्राह्मी और उससे निकली हुई लिपियों के अङ्क
6. खरोष्ठी लिपि के अङ्क
7. भारतवर्ष की प्रमुख वर्तमान लिपियाँ
8. वर्तमान नागरी अंको की उत्पत्ति
9. लेखन सामग्री

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ

1. प्राचीनभारतीयअभिलेख- पं. गौरीशंकरओझा, भारतीयकलाप्रकाशन,दिल्ली भारत
2. Introduction to Manuscriptology – R.S Shivaganesha mutthi, Sharada Publishing House, delhi
3. The Methodology of Research in india by T.P Ramachandran
4. Textual Criticism- Dr. S.M. Katre
5. Methodology in Indological Research, M. Srinarayana Murthy

संस्कृत में अनुसन्धानविधि के मूलतत्त्व (Core 02 Credit)

1. शोध–प्रविधि के प्रमुख आयाम
   - I. भूमिका
   - II. शोध एवं ज्ञानार्जन की योग्यता
   - III. संस्कृत समीक्षा शास्त्र में शोध का स्वरूप
   - IV. अनुसंधान का आधुनिक अभिप्राय
   - V. अनुसंधान की आवश्यकता
   - VI. अनुसंधान के क्षेत्र
   - VII. अनुसंधान के प्रकार
   - VIII. शोध–प्रविधि की विविध पद्धतियाँ

2. शोध–प्रबन्ध–स्वरूप लेखन एवं उपकरण
   - I. शोध–प्रबन्ध एवं शोध–पत्र
   - II. शोध –विषय
   - III. शोधार्थी एवं शोध –निर्देशक
   - IV. शोध –विषय का चयन एवं शीर्षक निर्धारण
   - V. शोध –प्रबन्ध का स्वरूप एवं उसकी रूपरेखा
   - VI. सामग्री संकलन : मुख्य एवं गौण
   - VII. शोध–प्रबन्ध के मुख्य घटक तत्त्व :–
     - अध्यायों में विभाजन
     - पाद टिप्पणी एवं उद्धरण
     - भूमिका
     - निष्कर्ष
     - ग्रन्थ–सूची

3. आधुनिक शोध–कार्य में संगणक की भूमिका।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :

1. शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान,प्रो0 अभिराज राजेन्द्रमिश्र अक्षयवट प्रकाशन।
2. Elements of Research Methodology in Sanskrit, Dr. Keshab Chandra Dash, Chaukhambha Sanskrit Sansthan, Varanasi-221001.
3. Writing Your Thesis and Research Papers, R. K. Singh, Prakash Book Depot, Bareilly-243003.

27.5.2022

Head Sanskrit Dept.
H.N.B. Garhwal University
Srinagar, Garhwal